13 April The Hindu Electoral Bond

संदर्भ

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में निर्णय दिया गया कि राजनीतिक दल चुनावी बॉन्ड के द्वारा मिले चंदे की जानकारी सील कवर लिफाफे में चुनाव आयोग के साथ साझा करेंगे।

कोर्ट ने जानकारी साझा करने के लिए 30 मई की समय-सीमा निर्धारित की है और कहा है कि पार्टियां प्रत्येक दानदाता का ब्योरा सौंपेंगी।

क्या है चुनाव बॉन्ड

चुनावों में राजनीतिक दलों के चंदा जुटाने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से चुनावी बॉन्ड घोषणा की थी, चुनावी बॉन्ड एक ऐसा बॉन्ड है जिसमें एक करेंसी नोट लिखा रहता है, जिसमें उसकी वैल्यू होती है।

ये बॉन्ड पैसा दान करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस बॉन्ड के जिरए आम आदमी राजनीतिक पार्टीए व्यक्ति या किसी संस्था को पैसे दान कर सकता है। इसकी न्यूनतम कीमत एक हजार रुपए जबिक अधिकतम एक करोड़ रुपए होती है। चुनावी बॉन्ड 1 हजार, 10 हजार, 1 लाख, 10 लाख और 1 करोड़ रुपये के मृल्य में उपलब्ध है।

प्रमुख बिन्दु

केन्द्र सरकार ने चुनावी बॉन्ड योजना 2 जनवरी 2018 को अधिसूचित की थी इसके अनुसार कोई भी भारतीय नागरिक संस्था या फिर कंपनी चुनावी बॉन्ड को खरीद सकती है।

बॉन्ड खरीदने के लिए KYC फॉर्म भरना होगा।

जिसने बॉन्ड दिया है उसका नाम गुप्त रखा जाएगा खरीदने वाले का भी नाम गुप्त रहेगा। लेकिन बैंक खाते की जानकारी रहेगी।

जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 29(I) के तहत पंजीकृत राजनीतिक पार्टियाँ तथा पिछले आम चुनाव या विधान सभा चुनाव में जनता का कम से कम एक फीसद वोट हासिल करने वाली राजनीतिक पार्टियाँ ही चुनावी बॉन्ड के द्वारा पैसे ले सकती हैं।

पात्र राजनीतिक पार्टियाँ इस चुनावी बॉन्ड को सिर्फ अधिकृत बैंक खाते में ही भुना सकती हैं। चुनावी बॉन्ड की वैद्यता जारी होने के 15 दिन तक ही रहती है।

सरकार की ओर से चुनावी बॉन्ड जारी करने और उसे भुनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक को अधिकृत किया गया है।

हैब्रोस्टेम मकड़ियाँ

संदर्भ में

हाल ही में शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा केरल के एर्नाकुलम में मौजूद इलिथोडू जंगलों में मकड़ी की एक नई प्रजाति खोजी गई है।

इस प्रजाति से संबंधित मकड़ी हैब्रोस्टेम विज्ञान के लिए एक नई प्रजाति है।

यह मकड़ी आमतौर पर यूरेशिया और अफ्रीका के जंगलों में पाई जाती है। इन मकड़ियों के अगले दोनों पैरों के नीचे एक लम्बी रीढ होती है इसलिए इसका वैज्ञानिक नाम "हैब्रोसेस्टेम लॉन्गिस्पिनम" रखा गया है। इन्हें अधिकतर शुष्कए वनीय एवं छायादार जगहों पर पाई जाती है।

रूस का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार "ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल" से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय है।

यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है जो रूस के साथ संबंधों को मजबूत बनाने में अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व में योगदान देते हैं। यह सातवां अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार है जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सम्मानित ह्ए हैं।